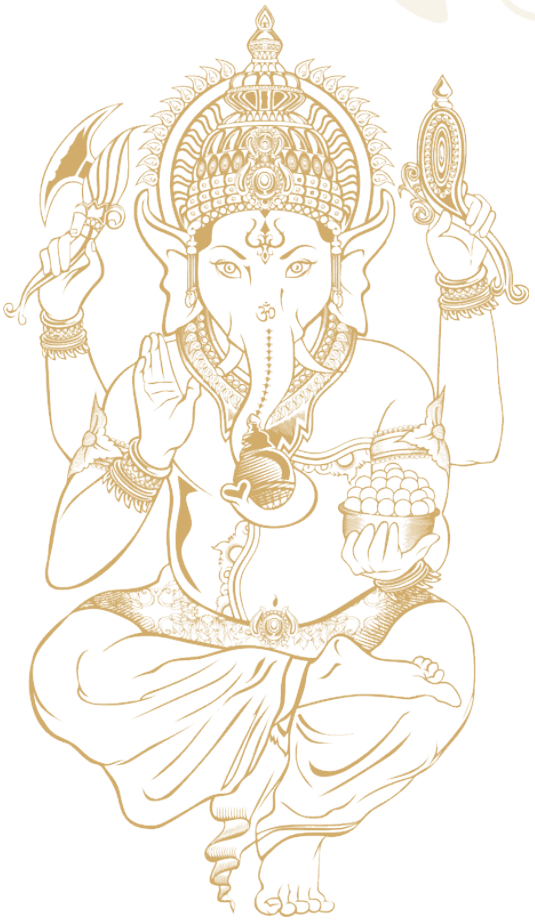

Ankur

04 Nov 2005

03:02 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121490807

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/11/2005**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:02:00 घंटे**
इष्ट	21:09:48 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:42:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	17:37:43 घंटे
सूर्योदय	06:34:04 घंटे
सूर्यास्त	17:31:20 घंटे
दिनमान	10:57:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:07:46 तुला
लग्न के अंश	28:05:05 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	28:05:05	515:17:06	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	18:07:46	01:00:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	17:11:29	13:42:22	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल	व		मेष	22:06:56	00:21:23	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	11:28:08	00:57:43	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			तुला	08:04:42	00:12:59	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	05:07:29	00:59:51	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
शनि			कर्क	17:04:24	00:01:59	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	19:27:37	00:04:51	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	19:27:37	00:04:51	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	12:57:45	00:00:35	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	20:53:59	00:00:17	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	28:54:10	00:01:49	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	00:56:58	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:14

लग्न-चलित

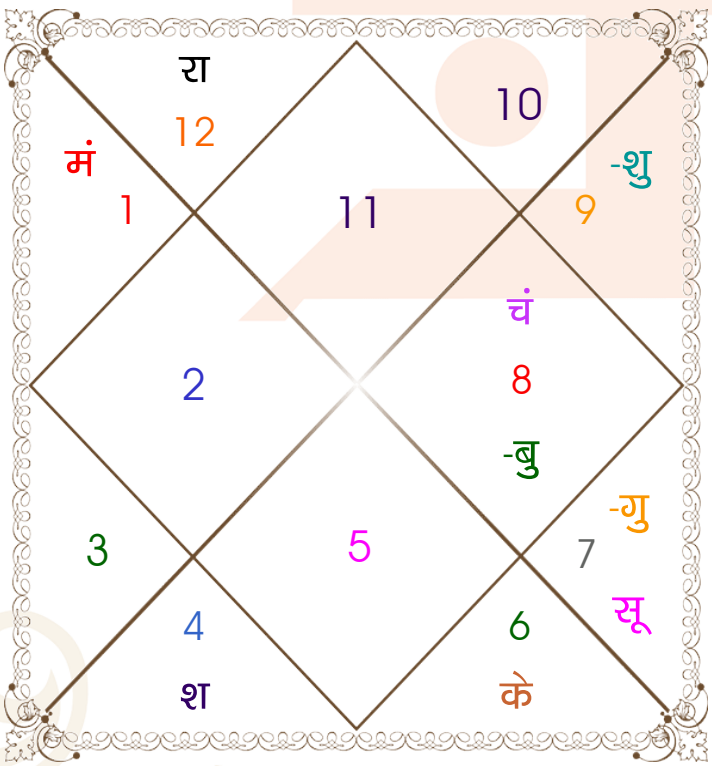

चन्द्र कुंडली

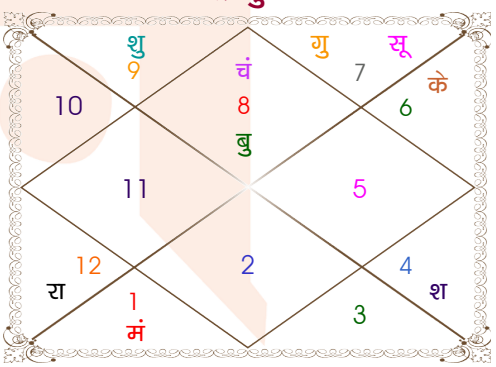

नवमांश कुंडली

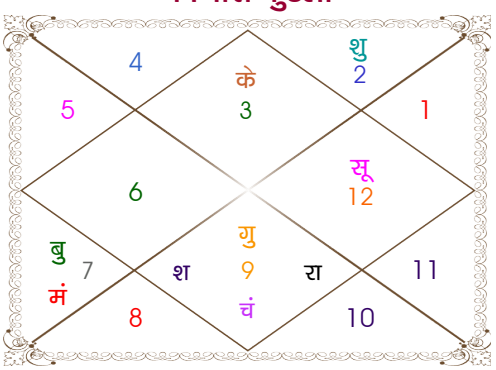

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 3 मास 29 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/11/2005		05/03/2022		05/03/2029		05/03/2049		05/03/2055	
05/03/2022		05/03/2029		05/03/2049		05/03/2055		05/03/2065	
बुध	01/08/2007	केतु	01/08/2022	शुक्र	04/07/2032	सूर्य	22/06/2049	चंद्र	04/01/2056
केतु	29/07/2008	शुक्र	01/10/2023	सूर्य	05/07/2033	चंद्र	22/12/2049	मंगल	04/08/2056
शुक्र	30/05/2011	सूर्य	06/02/2024	चंद्र	05/03/2035	मंगल	29/04/2050	राहु	03/02/2058
सूर्य	04/04/2012	चंद्र	06/09/2024	मंगल	04/05/2036	राहु	24/03/2051	गुरु	05/06/2059
चंद्र	03/09/2013	मंगल	02/02/2025	राहु	05/05/2039	गुरु	10/01/2052	शनि	03/01/2061
मंगल	01/09/2014	राहु	21/02/2026	गुरु	03/01/2042	शनि	22/12/2052	बुध	04/06/2062
राहु	20/03/2017	गुरु	28/01/2027	शनि	05/03/2045	बुध	28/10/2053	केतु	03/01/2063
गुरु	26/06/2019	शनि	08/03/2028	बुध	04/01/2048	केतु	05/03/2054	शुक्र	03/09/2064
शनि	05/03/2022	बुध	05/03/2029	केतु	05/03/2049	शुक्र	05/03/2055	सूर्य	05/03/2065

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/03/2065		05/03/2072		05/03/2090		06/03/2106		06/03/2125	
05/03/2072		05/03/2090		06/03/2106		06/03/2125		00/00/0000	
मंगल	01/08/2065	राहु	16/11/2074	गुरु	22/04/2092	शनि	09/03/2109	बुध	05/11/2125
राहु	19/08/2066	गुरु	10/04/2077	शनि	04/11/2094	बुध	17/11/2111		00/00/0000
गुरु	26/07/2067	शनि	15/02/2080	बुध	08/02/2097	केतु	26/12/2112		00/00/0000
शनि	03/09/2068	बुध	04/09/2082	केतु	15/01/2098	शुक्र	25/02/2116		00/00/0000
बुध	31/08/2069	केतु	22/09/2083	शुक्र	16/09/2100	सूर्य	06/02/2117		00/00/0000
केतु	28/01/2070	शुक्र	22/09/2086	सूर्य	06/07/2101	चंद्र	08/09/2118		00/00/0000
शुक्र	30/03/2071	सूर्य	17/08/2087	चंद्र	05/11/2102	मंगल	18/10/2119		00/00/0000
सूर्य	04/08/2071	चंद्र	15/02/2089	मंगल	11/10/2103	राहु	23/08/2122		00/00/0000
चंद्र	05/03/2072	मंगल	05/03/2090	राहु	06/03/2106	गुरु	06/03/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।